मुंबई का
स्वाभिमान
हिंदी दैनिक
MKS NEWS MUMBAI KA SWABHIMAN
www.mumbaikaswabhiman.com
● वर्ष :3 ● अंक :304 ● मुंबई, सोमवार 12 जनवरी 2026 ● पृष्ठः 8 ● मूल्य :2 रु.

क्या फडणवीस हिन्दू नहीं है??

उद्धव ठाकरे का शिवसेना रैली में सवाल, जन्म प्रमाण पत्र चेक करने की मांग

वह कहते हैं मेयर हिन्दू होगा, हम कहते हैं मराठी होगा, मुंबईकर किसके साथ??

रविवार को दादर के शिवाजी पार्क में आयोजित चुनाव रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को हम कर निशाने पर लिया और सवाल उठाया कि क्या देवेंद्र फडणवीस हिंदू नहीं हैं? उन्होंने कहा कि मैंने अपना भाषण हिंदू भाइयों को नमस्ते कहकर शुरू किया, उन्होंने कहा- मेयर हिंदू होगा। हम कहते हैं कि मेयर मराठी होगा। क्या देवेंद्र फडणवीस हिंदू नहीं हैं? उनका जन्म प्रमाणपत्र चेक करें। हम जन्म से हिंदू मराठी हैं।

उद्धव ठाकरे ने मुंबई में राज ठाकरे के साथ एक संयुक्त जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये सब हताश बंदर हैं, कभी टाइगर नहीं बन सकते। आप शिवसेना को खत्म करने की उनकी रणनीति तो समझ गए होंगे।

उद्धव ठाकरे से पहले राज ठाकरे ने सभा को संबोधित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार को निशान पर लिया। आप ए चिर परिचित अंदाज में राज ठाकरे ने कहा 'लाव रे वीडियो' हम, मुंबईकर, हिंदुओं और महाराष्ट्र के लिए एकजुट हुए हैं। उद्धव ठाकरे की गर्जना और जब मुंबईकर धधक उठता है, तब क्या होता है, यह सत्ताधारियों को समझ आ जाएगा!'

शिवाजी पार्क पर ठाकरे बंधुओं का लगभग २० वर्षों बाद एक साथ आना शिवसेना और मनसे कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व उत्साह रहा । मुंबई सहित राज्य के कोने-कोने से शिवसैनिक, मनसे सैनिक और भगवा ध्वज और मशालों के साथ बड़े जत्थों में शिवाजी पार्क की ओर आते दिखे। इसके चलते शिवाजी पार्क और आसपास के इलाके भगवामय रहा।

परिवार की राजनीति चमकाने में लगे हैं मुंबई महानगर के सांसद और विधायक

सांसद रविन्द्र वायकर, संजय दीना पाटिल और चंद्रकांत हंडोरे के अलावा अनेक विधायक परिवार तक सीमित

मुंबई महानगर के तीन सांसद और अनेक विधायक अपने बेटे-बेटी और रिश्तेदारों को जिताने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। परिवार के सदस्य को बीएमसी सदन में पहुंचाना उनके नाक की बात बन गई है। इसीलिए सबकुछ भूलकर सिर्फ अपने घर के सदस्य को चुनाव जिताने के लिए रात दिन संघर्ष कर रहे हैं।

उत्तर पश्चिम मुंबई लोकसभा से शिंदे सेना के सांसद रविंद्र वायकर की बेटी दीप्ति वायकर-पोतनीस प्रभाग नंबर १७३ से उम्मीदवार है। उत्तर पूर्व मुंबई लोकसभा से उद्धव सेना के सांसद संजय दीना पाटील की बेटी राजुला को हरियाली विलेज गोदरेज कॉलोनी प्रभाग नंबर ११४ से चुनाव मैदान में उतारा है। इसके अलावा कांग्रेस से राज्यसभा के सदस्य चंद्रकांत हंडोरे ने अपनी बेटी प्रज्योति को प्रभाग नंबर १४० से उम्मीदवारी दिलाई है। हंडोरे नगरसेवक भी थे और मेयर के रूप में उन्होंने काम भी किया है, वहीं वायकर भी लंबे समय तक नगरसेवक थे। बीएमसी की सबसे मालामाल स्टैंडिंग कमेटी के चार टर्म के नगरसेवक थी थे।

सांसदों के अलावा बीजेपी सहित सभी राजनीतिक दलों के विधायक अपने परिवार के सदस्यों की जीत सुनिश्चित करने के लिए तरह-तरह के जोड़ तोड़ कर रहे हैं। विधान परिषद में बीजेपी के सदस्य प्रवीण दरेकर अपने भाई प्रकाश दरेकर की जीत की नैया पार लगाने के लिए प्रभाग नंबर ३ रात में दिन एक कर रहे हैं। दिंडोसी से उद्धव सेना के विधायक सुनील प्रभू अपने बेटे अंकित की जीत के लिए प्रभाग नंबर ५४ तक सीमित होकर रह गए हैं।

वर्सोवा से ही उद्धव सेना के विधायक हारून खान अपनी बेटी सबा

खान की जीत तय करने के लिए प्रभाग ६४ के मतदाताओं को मना रहे हैं। चांदिवली विधानसभा से शिंदे सेना के विधायक दिलीप लांडे अपनी पत्नी शैला लांडे (प्रभाग १६३) को चुनाव जिताने में लगे हैं। वे पहले भी नगरसेवक का चुनाव जीत चुकी है। भायखला विधानसभा के विधायक मनोज जामसुतकर अपनी पत्नी सोनम (प्रभाग २१०) की जीत की डगर साफ करने में लगे हैं।

कोलाबा के विधायक व विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, मालाड मालवणी से कांग्रेस के विधायक असलम शेख और अजित पवार की पार्टी के नवाब मलिक की प्रतिष्ठा दाव पर है। परिवार के तीन-तीन सदस्यों का टिकट दिया है। राहुल नार्वेकर के भाई की पत्नी यानी भाभी हार्षिता नार्वेकर (प्रभाग २२५), भाई मकरंद नार्वेकर (प्रभाग २२६) और चचेरी बहन डॉ. गौरवी शिवलकर नार्वेकर (प्रभाग २२७) से जिताने के लिए नार्वेकर ने पूरी ताकत झोंक दी है।

मालाड मालवणी से कांग्रेस के विधायक असलम शेख के बेटे हैदर अली (प्रभाग नंबर ३४), बहन कमरजहां सिद्दीकी (प्रभाग नंबर ३३) और दामाद सैफ अहद खान (प्रभाग नंबर ६२) की जीत की रणनीति बनाने में लगे हैं। अजित पवार ने नवाब मलिक के परिवार को तीन सदस्यों को टिकट दिया है। हालांकि नवाब अब विधायक नहीं है लेकिन उनकी बेटी सना अणुशक्ति नगर विधानसभा से विधायक है। पार्टी ने मलिक के भाई कप्तान मलिक को प्रभाग १६५ से और डॉक्टर बहन सईदा को १६८ से टिकट दिया है। सन २०१७ के चुनाव में भी दोनों ने जीत दर्ज की थी। इस बार मलिक परिवार की बहू बुसरा नदीम मलिक को १७० से टिकट दिया है। परिवार के लोग जीत जाते हैं कि महानगरपालिका के सदन में बहन-भाई और बहू एक साथ नजर आएंगे। कुछ पूर्व विधायक और पूर्व नगरसेवक भी भी अपनी पत्नी या बेटे बेटी को नगरसेवक बनाने के लिए पसीना बहा रहे है। इन पूर्व विधायकों में सबसे प्रमुख नाम चांदीवली के पूर्व विधायक आरिफ नसीम खान का है जो अपने बेटे को नगरसेवक बनाने के लिए दिन रात एक कर रहे हैं।

संपादकीय...

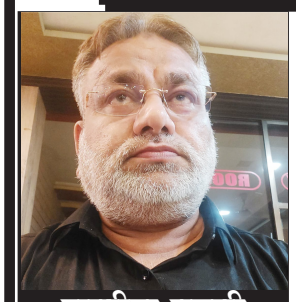

शकील पटनी
संपादक

SHAQILPATNI

ट्रंप के टैरिफ, वैश्विक व्यापार संधि को चुनौती

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था की बुनियाद को झकझोर कर रख दिया है। 'अमेरिका फर्स्ट' के नारे के तहत ट्रंप ने आयात शुल्क को अमेरिका का नीतिगत वैश्विक दादागिरी का हथियार बना दिया है। इसके दायरे में चीन, रूस, यूरोप के देश अथवा विकासशील सभी देश शामिल हैं। ट्रम्प की इस नीति ने केवल द्विपक्षीय व्यापार को नहीं, बल्कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की प्रासंगिकता को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। वैश्विक व्यापार संधि का मूल सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत सभी देशों के बीच में व्यापार करने की सुविधा थी। ट्रंप प्रशासन ने स्टील, एल्युमिनियम, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पादों पर एक तरफा टैरिफ लगाकर वैश्विक व्यापार संधि के नियमों को खुली चुनौती दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर लगाए गए ये टैरिफ दरअसल अमेरिका के संरक्षणवाद और दादागिरी का नया चेहरा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है, अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को ही पंगु बना दिया है। अपीलीय निकाय में जजों की नियुक्ति को रोक कर सारे विश्व को यह संदेश दे दिया गया है। यदि फैसले अमेरिका के अनुकूल न हों, तो वह संस्थान ही निष्क्रिय कर दो। दुनिया के सभी देश अमेरिका की इस दादागिरी का विरोध भी नहीं कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह रवैया वैश्विक व्यापार संधि की नियम-आधारित व्यवस्था से हटकर ताकत-आधारित व्यवस्था की ओर ढकेल रहा है। ट्रंप के टैरिफ के कारण वैश्विक आपूर्ति एवं लेन-देन की व्यवस्थाएं बुरी तरह से प्रभावित हुईं हैं। अमेरिका सहित दुनिया के देशों में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। दुनिया के देशों में आर्थिक एवं सामरिक अनिश्चितता का माहौल बना है। विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। क्योंकि वह न तो प्रतिशोधात्मक टैरिफ लगाने की स्थिति में हैं और ना हीं वैश्विक व्यापार संधि के नियमों के तहत उन्हें न्याय मिल पा रहा है। वैश्विक व्यापार संधि के नियमों के अनुसार त्वरित न्याय पाने की आशा भी पूरी तरह से खत्म हो गई है।

वैश्विक व्यापार संधि, जिसने सारी दुनिया के देशों को एक दूसरे से जोड़ने का काम किया था। वह व्यवस्था एक ऐसे चौराहे पर आकर खड़ी हो गई है। जहां पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी देखने को मिल रही है। अमेरिका के एकाधिकार वाद ने बहुपक्षवाद की व्यवस्था को कड़ी चुनौती दी है। वैश्विक व्यापार संधि की संस्थाओं और नियमों का पालन नहीं होने के कारण सारी दुनिया के देश अधिनायकवाद की व्यवस्था से फिर एक बार जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जो वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। दूसरी ओर राष्ट्रवादी संरक्षणवाद की दादागिरी की ट्रंप-नीति ने यह साफ कर दिया है, यदि सबसे शक्तिशाली देश नियम तोड़ने लगे, तो संस्थाएँ केवल कागज़ी बनकर रह जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक संस्थाओं का लगभग यही हाल हैं। वैश्विक व्यापार सन्धि कुछ देशों की राजनीतिक इच्छाओं का बंधक बनकर रह जाएगी? या वैश्विक व्यापार संधि के नियमों में सुधार कर फिर से इसे वैश्विक स्तर पर प्रभावी बनाया जाएगा? इसकी जिम्मेदारी केवल अमेरिका की नहीं है। पूरी दुनिया के देशों की सामूहिक समझदारी एवं जिम्मेदारी पर ही वैश्विक व्यापार संधि का भविष्य निर्भर करता है। वैश्विक व्यापार संधि यदि टूटती है तो इसका असर विकासशील देशों पर तो पड़ेगा ही सारी दुनिया के देशों के लिए आर्थिक मंदी का खतरा भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। वैश्विक व्यापार संधि लागू होने के बाद दुनिया के सारे देशों की सरकारें भारी कर्ज में हैं। आम नागरिक भी कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से आर्थिक विकास रोजगार और सामाजिक विकास को बढ़ाने के लिए जो कर्ज की व्यवस्था शुरू की गई थी, उससे अब कोई भी नहीं बचा है। वैश्विक व्यापार संधि को कमजोर करना वैश्विक अर्थ व्यवस्था को कमजोर करना है। इसकी कीमत सभी देशों को चुकानी पड़ेगी। दुनिया के साथ से ज्यादा देशों में आर्थिकमंदी, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ अभी आंदोलन चल रहे हैं। वर्तमान में जो लोग सत्ता में बैठे हुए हैं, उन्हें चुनौती मिल रही है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी के कारण त्रस्त है। जिसके कारण दुनिया में आर्थिक मंदी आने के बाद दुनिया के देशों में आपसी विवाद बड़ी तेजी के साथ बढ़ेंगे। यह स्थिति तीसरे विश्व युद्ध को भी जन्म दे सकती है। इस तरह की धारणाएं बनने लगी हैं।

ट्रंप के टैरिफ, वैश्विक व्यापार संधि को चुनौती

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था की बुनियाद को झकझोर कर रख दिया है। 'अमेरिका फर्स्ट' के नारे के तहत ट्रंप ने आयात शुल्क को अमेरिका का नीतिगत वैश्विक दादागिरी का हथियार बना दिया है। इसके दायरे में चीन, रूस, यूरोप के देश अथवा विकासशील सभी देश शामिल हैं। ट्रम्प की इस नीति ने केवल द्विपक्षीय व्यापार को नहीं, बल्कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की प्रासंगिकता को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। वैश्विक व्यापार संधि का मूल सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत सभी देशों के बीच में व्यापार करने की सुविधा थी। ट्रंप प्रशासन ने स्टील, एल्युमिनियम, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पादों पर एक तरफा टैरिफ ल गाकर वैश्विक व्यापार संधि के नियमों को खुली चुनौती दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर लगाए गए ये टैरिफ दरअसल अमेरिका के संरक्षणवाद और दादागिरी का नया चेहरा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है, अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को ही पंगु बना दिया है। अपीलीय निकाय में जजों की नियुक्ति को रोक कर सारे विश्व को यह संदेश दे दिया गया है। यदि फैसले अमेरिका के अनुकूल न हों, तो वह संस्थान ही निष्क्रिय कर दो। दुनिया के सभी देश अमेरिका की इस दादागिरी का विरोध भी नहीं कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह रवैया वैश्विक व्यापार संधि की नियम-आधारित व्यवस्था से हटकर ताकत-आधारित व्यवस्था की ओर ढकेल रहा है। ट्रंप के टैरिफ के कारण वैश्विक आपूर्ति एवं लेन-देन की व्यवस्थाएं बुरी तरह से प्रभावित हुईं हैं। अमेरिका सहित दुनिया के देशों में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। दुनिया के देशों में आर्थिक एवं सामरिक अनिश्चितता का माहौल बना है। विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। क्योंकि वह न तो प्रतिशोधात्मक टैरिफ लगाने की स्थिति में हैं और ना हीं वैश्विक व्यापार संधि के नियमों के तहत उन्हें न्याय मिल पा रहा है। वैश्विक व्यापार संधि के नियमों के अनुसार त्वरित न्याय पाने की आशा भी पूरी तरह से खत्म हो गई है।

वैश्विक व्यापार संधि, जिसने सारी दुनिया के देशों को एक दूसरे से जोड़ने का काम किया था। वह व्यवस्था एक ऐसे चौराहे पर आकर खड़ी हो गई है। जहां पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी देखने को मिल रही है। अमेरिका के एकाधिकार वाद ने बहुपक्षवाद की व्यवस्था को कड़ी चुनौती दी है। वैश्विक व्यापार संधि की संस्थाओं और नियमों का पालन नहीं होने के कारण सारी दुनिया के देश अधिनायकवाद की व्यवस्था से फिर एक बार जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जो वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। दूसरी ओर राष्ट्रवादी संरक्षणवाद की दादागिरी की ट्रंप-नीति ने यह साफ कर दिया है, यदि सबसे शक्तिशाली देश नियम तोड़ने लगे, तो संस्थाएँ केवल कागज़ी बनकर रह जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक संस्थाओं का लगभग यही हाल हैं। वैश्विक व्यापार सन्धि कुछ देशों की राजनीतिक इच्छाओं का बंधक बनकर रह जाएगी? या वैश्विक व्यापार संधि के नियमों में सुधार कर फिर से इसे वैश्विक स्तर पर प्रभावी बनाया जाएगा? इसकी जिम्मेदारी केवल अमेरिका की नहीं है। पूरी दुनिया के देशों की सामूहिक समझदारी एवं जिम्मेदारी पर ही वैश्विक व्यापार संधि का भविष्य निर्भर करता है। वैश्विक व्यापार संधि यदि टूटती है तो इसका असर विकासशील देशों पर तो पड़ेगा ही सारी दुनिया के देशों के लि ए आर्थिक मंदी का खतरा भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। वैश्विक व्यापार संधि ल ागू होने के बाद दुनिया के सारे देशों की सरकारें भारी कर्ज में हैं। आम नागरिक भी कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से आर्थिक विकास रोजगार और सामाजिक विकास को बढ़ाने के लिए जो कर्ज की व्यवस्था शुरू की गई थी, उससे अब कोई भी नहीं बचा है। वैश्विक व्यापार संधि को कमजोर करना वैश्विक अर्थ व्यवस्था को कमजोर करना है। इसकी कीमत सभी देशों को चुकानी पड़ेगी। दुनिया के साथ से ज्यादा देशों में आर्थिकमंदी, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ अभी आंदोलन चल रहे हैं। वर्तमान में जो लोग सत्ता में बैठे हुए हैं, उन्हें चुनौती मिल रही है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी के कारण त्रस्त है। जिसके कारण दुनिया में आर्थिक मंदी आने के बाद दुनिया के देशों में आपसी विवाद बड़ी तेजी के साथ बढ़ेंगे। यह स्थिति तीसरे विश्व युद्ध को भी जन्म दे सकती है। इस तरह की धारणाएं बनने लगी हैं।

नागपाड़ा पुलिस ने ३ चोरों को किया गिरफ्तार; ₹७२.७७ लाख की चोरी की प्रॉपर्टी बरामद

मुंबई : एक तेज़ और अच्छे से कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन में, नागपाड़ा पुलिस ने ६ जनवरी, २०२६ की सुबह तीन चोरों को गिरफ्तार किया, और उनके पास से ७२,७७,८५४ रुपये की चोरी की प्रॉपर्टी बरामद की, इससे पहले कि वे बिहार भाग पाते। टिप-ऑफ से गिरफ्तारी हुई पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब ५.३० बजे, नागपाड़ा पुलिस को एक टिप-ऑफ मिली कि सेंधमारी और चोरी के एक मामले में शामिल संदिग्ध उनके इलाके में आने वाले हैं।

तुरंत कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम ने तीन आरोपियों को पकड़ा, जिनकी पहचान फूलो मोहन मुखिया (४०), संतोष रामजीवन मुखिया (३३) और लालू मोहन मुखिया (३७) के तौर पर हुई।पूछताछ के दौरान, पुलिस को बड़ी मात्रा में सोने और हीरे की ज्वेलरी, ३५,००० रुपये कैश, चोरी के पैसों से खरीदी गई १९,७९९ रुपये की किराने का सामान और १८,००० रुपये के दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस ने कन्फर्म किया कि कुल ७२.७७ लाख रुपये की रिकवरी हुई। दर्ज मामले नागपाड़ा पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस एक्ट के सेक्शन १२४ के तहत मामला दर्ज किया।

आगे की जांच में पता चला कि तीनों ने सांताक्रूज़ में चोरी की थी, जहाँ भारतीय न्याय संहिता, २०२३ के सेक्शन ३०५(ए) और सेक्शन ३३१(४) के तहत अलग से प्राथमिकी दर्ज की गई है। आदतन अपराधी आरोपी चोरी का माल लेकर बिहार भागने की योजना बना रहे थे, लेकिन नागपाड़ा पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की और शहर छोड़ने से पहले ही उन्हें पकड़ लिया। बैकग्राउंड चेक से पता चला कि तीनों आदतन अपराधी हैं।

बीएमसी चुनाव वार्ड क्रमांक १०२

मामा भांजे की जंग में कौन पड़ेगा भारी??

कांग्रेस प्रत्याशी खान रहबर को चुनौती दे रहे उनके ही भांजे खान जाहिद

बांद्रा पश्चिम में स्थित बीएमसी वार्ड क्रमांक १०२ का चुनाव अलग ही मिजाज का है यहां पर दिग्गज कांग्रेसी पूर्व नगरसेवक खान रहबर(राजा) का रास्ता रोकने के लिए उनके भांजे खान जाहिद एनसीपी(अजीत) के टिकट पर मैदान में है इसलिए यह सीट चर्चा का विषय बन गई है।

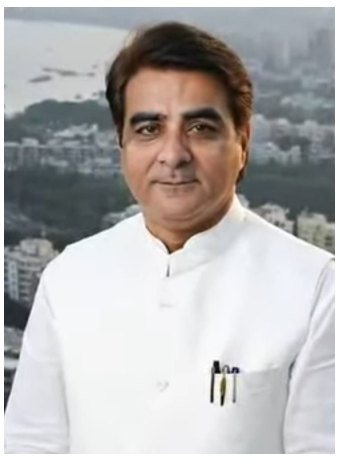

वैसे तो वार्ड १०२ में कुल ७ प्रत्याशी मैदान में है जिनमें कांग्रेस की ओर से खान रहबर(राजा) और एनसीपी(अजीत) के खान जाहिद के अलावा बीजेपी ने निलेश हांडकर और मनसे ने आनंद चंद्रकांत हजारे को टिकट दिया है। पर इस सीट की चर्चा मामा भांजे के आमने सामने होने से ज्यादा हो रही है। रहा रहबर खान केवल बांद्रा नहीं बल्कि मुंबई की राजनीति में एक जाना पहचाना नाम है एक बार खुद तो एक बार उनकी पत्नी नगरसेवक रह चुकी है पर इस बार उन्हें चुनौती देने के लिए अन्य पार्टियों के अलावा उनके भांजे ने ताल ठोककर यहां के समीकरण को काफी दिलचस्प बना दिया है। मामा भांजे की इस लड़ाई में कौन भारी पड़ेगा या फिर दोनों की लड़ाई का फायदा कोई और उठाएगा यह देखना काफी दिलचस्प होगा।

वार्ड क्रमांक ३१ में चमत्कार करेंगी बीना रामकुबेर सिंह (ठाकुर)??

मुंबई का स्वाभिमान के संपादक का आकलन, स्थानीय मतदाताओं का पार्टियों के खिलाफ आक्रोश
अपने काम और समाजसेवा के दम पर बीना सिंह(ठाकुर) मतदाताओं की पहली पसंद

बीएमसी वार्ड क्रमांक ३१ का चुनाव महानगर के अन्य वार्डों के चुनाव से बिल्कुल अलग है। जहां मुंबई महानगर के अन्य वार्डों में प्रत्याशियों के अलावा राजनीतिक पार्टियों की अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगी है तो वहीं वार्ड ३१ के मतदाता पार्टियों द्वारा आम कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर पैसे वालों को टिकट देने से काफी आक्रोशित है और एक अपक्ष प्रत्याशी बीना रामकुबेर सिंह के पक्ष में लामबंद हो रही है। इस लिए यहां का चुनाव काफी दिलचस्प हो गया है। कांदिवली के चारकोप में स्थित महिलाओं के लिए आरक्षित वार्ड क्रमांक ३१ में यूं तो कुल ७ प्रत्याशी मैदान में है। जिसमें बीजेपी ने मनीषा कमलेश यादव, कांग्रेस ने भाग्यलक्ष्मी राजपुरोहित, शिवसेना यूबीटी ने ज्योति भास्कर मोरे, समाजवादी पार्टी ने फरजाना इस्माइल, और आम आदमी पार्टी ने पूनम आशीष दास को टिकट दिया है। पर स्थानीय मतदाताओं का मानना है कि हाई प्रोफाइल पार्टी प्रत्याशियों को वोट डाल कर क्या फायदा जब चुनाव के बाद उन तक पहुंचा भी नहीं जा सकता। जबकि अपक्ष प्रत्याशी बीना कपूर(ठाकुर) हमेशा ही उनके बीच रहकर उनके सुखदुख की साथी रही है। इसलिए यहां पर मात्र एसी की हवा चलेगी। ज्ञात हो कि बीना ठाकुर का चुनाव निशान एयर कंडीशनर है। मतदान के तीन दिन पहले का मिजाज यदि अंत तक बरकरार रहा तो वार्ड ३१ का परिणाम काफी चौंकाने वाला हो सकता है बीना सिंह(ठाकुर) के लिए स्थानीय मतदाताओं की यह लामबंदी अंत तक कायम रही तो यही कहा जा सकता है कि अपने बीच काम करने वालों को मतदाताओं का आशीर्वाद जरूर मिलता है।

लाईफ इन लाईट संस्था के संस्थापक अध्यक्ष शकील एच. पटनी ने कहा कि मैं बिना सिंह ठाकूर के हौसले की दाद देता हूं। वे कई वर्षों से कांग्रेस की जुझारू कार्यकर्ता के रूप में समाजहित के लिए कार्य की है। उन्होंने स्थानीय लोगो की समस्याओं के लिए कई बार मनपा, पुलिस स्टेशन में जाकर भी समस्याओं को हल करने की कोशिश की हैं। जनता के सेवा के लिए वे सदैव तत्पर रहती हैं। शकील पटनी ने कहा कि मैं मुस्लिम समाजव व अन्य सभी समाज से अपील करता हूं कि बिना सिंह ठाकूर को एयर कंडीशन पर मत देकर उन्हें विजयी बनायें।

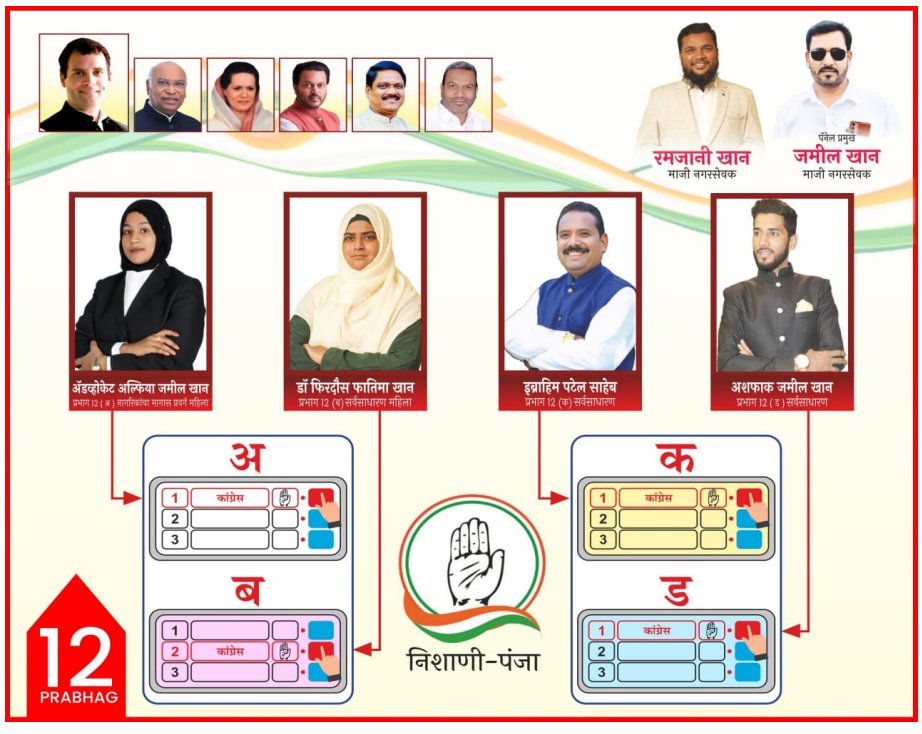

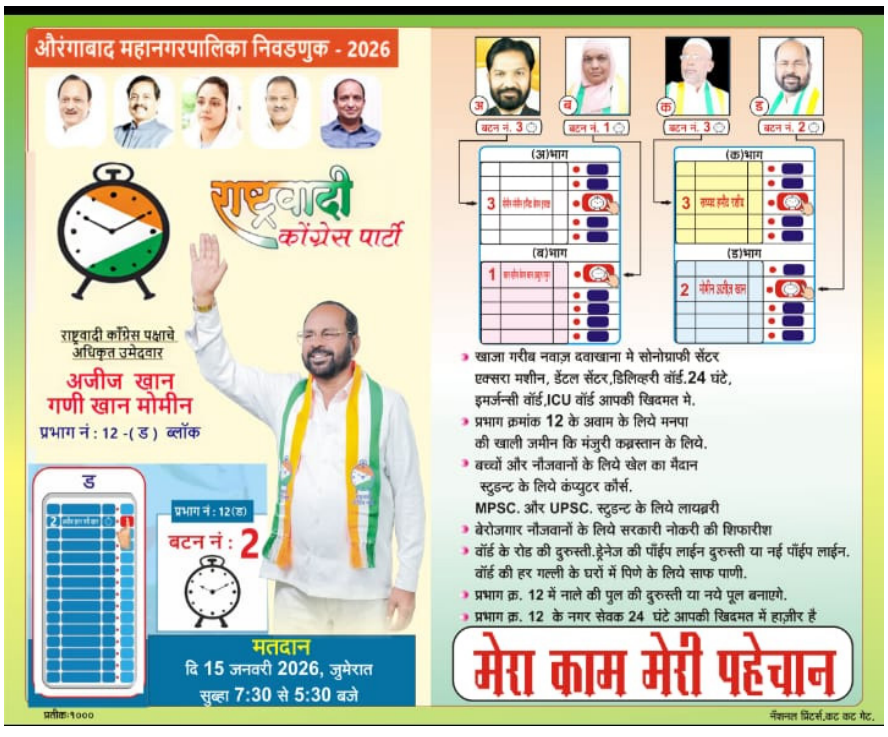

वंदे मातरम एजुकेशनल कॉम्प्लेक्स की सालाना मीटिंग और स्टूडेंट एप्रिसिएशन सेरेमनी सफलतापूर्वक पूरी हुई

नंदुरबार (जाविद शेख)

उमरदे बुद्रुकः वंदे मातरम एजुकेशनल कॉम्प्लेक्स, उमरदे बुद्रुक में सालाना मीटिंग और स्टूडेंट एप्रिसिएशन सेरेमनी बहुत ही जोश, खुशी और प्रेरणा देने वाले माहौल में हुई। प्रोग्राम की अध्यक्षता गांव की पहली नागरिक और सरपंच, श्रीमती हेमलता पाडवी ने की।

इस प्रोग्राम के चीफ गेस्ट ऑर्गनाइजेशन के चेयरमैन, श्री नितिन पाटिल सर थे, साथ ही निज़ामपुर से ँन्श स्पंदन ग्रुप १९९० के सभी सम्मानित दोस्त भी मौजूद थे। इसमें मिस्टर ज्ञानेश्वर बोरसे, ताहिर बेग मिर्ज़ा, सुनील महाजन, उदय जायसवाल, विजय रेलन, प्रवीण येवाले, राजू देवरे, देवेंद्र चिट्टे, शरद नेरकर, रवींद्र पाटिल, महेंद्र वाणी, फारूक शेख, जितेंद्र भदाने, सतीश बोरसे, प्रमोद राउल, वर्षा आहूजा, स्नेहलता सदाने, नलिनी सोनवणे, अनीता वेंदैत और जयश्री जाधव शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत मेहमानों के दीप जलाने से हुई। उसके बाद, पूरा कार्यक्रम स्थल स्टूडेंट्स द्वारा पेश किए गए एजुकेशनल, सोशल और देशभक्ति वाले नाटकों, इमोशनल गानों, लोक नृत्यों और अलग-अलग कल्चरल प्रोग्राम से भर गया। स्टूडेंट्स की परफॉर्मेंस उनके कॉन्फिडेंस, डिसिप्लिन और टैलेंट का शानदार प्रदर्शन थी।

इस समारोह में मेहमानों ने एकेडमिक, स्पोर्ट्स और कल्चरल फील्ड में स्टूडेंट्स की शानदार उपलब्धियों की तारीफ की। वहां मौजूद माता-पिता, गांववालों और मेहमानों ने स्टूडेंट्स की सफलता पर खुशी जताई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रेसिडेंटल एड्रेस में सरपंच श्रीमती हेमलता पाडवी ने कहा कि गांव के स्टूडेंट्स को अच्छी एजुकेशन मिलना आज के समय की ज़रूरत है। वहीं चीफ गेस्ट श्री नितिन पाटिल सर ने स्टूडेंट्स से अपील की कि वे पढ़ाई के साथ-साथ आर्ट, स्पोर्ट्स और सोशल अवेयरनेस भी बढ़ाएं।

इस प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए, वंदे मातरम एजुकेशनल कॉम्प्लेक्स, उमरदे बुद्रुक के सभी टीचर्स और नॉन-टीचिंग स्टाफ ने स्कूल प्रिंसिपल और सेकेंडरी स्कूल की हेडमिस्ट्रेस श्रीमती अर्चना पाटिल मैडम, संत डागा महाराज प्राइमरी स्कूल के हेडमिस्ट्रेस श्री रविंद्र चव्हाण सर, सुपरवाइजर जीवन माली सर के गाइडेंस में बहुत मेहनत की।

इस प्रोग्राम को भाग्यश्री सोनजे मैडम और संदीप पाडवी सर ने अच्छे से कोऑर्डिनेट किया, जबकि योगेश पाटिल सर ने मौजूद गणमान्य लोगों, पेरेंट्स और गांववालों का धन्यवाद किया। यह प्रोग्राम स्टूडेंट्स के ऑल-राउंड डेवलपमेंट के लिए इंस्पायरिंग रहा है और उमरदे बुद्रुक इलाके में इस प्रोग्राम की खूब चर्चा हो रही है।

इलाही चौक में आभार सभा में आ. चंद्रकांत रघुवंशी की विरोधियों को सलाह

रंग की राजनीति के बजाय प्यार की राजनीति करें

नंदुरबार (जाविद शेख)

नंदुरबार - विरोधियों ने चुनाव में समाज में फूट डालने की कोशिश की। लोगों के साथ हमारा भरोसा और प्यार कोई नहीं तोड़ सकता। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में शिवसेना को वोट दिया, यह कहते हुए शिवसेना के संपर्क प्रमुख आ. चंद्रकांत रघुवंशी ने विरोधियों को रंग की राजनीति के बजाय प्यार की राजनीति करने की सलाह दी।

आ. रघुवंशी नंदुरबार शहर के इलाही चौक में हुई जीत की सभा के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, नगर पालिका का काम करते हुए विरोधी पार्टी के नगरसेवकों का भी सम्मान किया जाएगा, लेकिन अगर विकास के खिलाफ राजनीति हो रही है, तो हम भी राजनीति करने को तैयार हैं। अगर तालमेल से विकास के काम बताए जाते हैं, तो हम रूलिंग पार्टी के तौर पर करने को तैयार हैं। नागरिक जो कहेंगे, हम करेंगे

आ. चंद्रकांत रघुवंशी ने विकास के मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'मुस्लिम कॉलोनी में नगर पालिका के ज़रिए कुछ बड़ा करने की इच्छा है। लेकिन, जगह की कमी के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है। हमारा इरादा लोकमान्य तिलक विद्यालय के खेल के मैदान की मरम्मत करके वहाँ एक बगीचा बनाने का है। नागरिक जो विकास के काम कहेंगे, हम उन्हें करने की पूरी कोशिश ज़रूर करेंगे।'

इस मौके पर पूर्व आ. शिरीष चौधरी ने कहा, 'लोगों ने विकास देखकर शिवसेना को वोट दिया है। ँव्ह ने यहाँ वोटरों को भड़काने की कोशिश की। मुस्लिम समुदाय हीरालालकाका को बहुत पसंद करते थे। अब हमारी तीसरी पीढ़ी राजनीति में आ गई है।' शिवसेना जिला प्रमुख एडवोकेट राम रघुवंशी ने कहा, 'वोटिंग के बाद २० दिनों में विपक्ष ने तरह-तरह की अफवाहें फैलाईं। हार होगी या जीत, जीत तो होगी। लेकिन, असली नतीजे आने के बाद विपक्ष मैदान छोड़कर भाग गया। वार्ड १ से ९ तक उनका खाता भी नहीं खुला।'

इस मौके पर, चुने गए स्वीकृत नगर सेवक परवेज़ खान ने अपने विचार रखे। इस मौके पर नए बने पार्षदों को सम्मानित किया गया। डिप्टी मेयर प्रथमेश चौधरी, पार्षद किरण रघुवंशी, कुणाल वसावे, योगेश राजपूत, विजय माली, पूर्व पार्षद फारूक मेमन वगैरह मौजूद थे। रहीम शेख ने प्रोग्राम को मॉडरेट किया।

साइकिल यात्री मोहित शेखावत का बोईसर में भव्य स्वागत।

कैंसर जागरूकता के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक शुरू है साइकिल यात्रा ।

बोईसर (संगीता शाह):कैंसर जैसी गम्भीर बीमारी के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा पर निकले मोहित शेखावत रविवार, ११ जनवरी की शाम ७ बजे पालघर जिले के बोईसर-चित्रालय स्थित होटल सम्राट पहुंचे। बोईसर आगमन पर स्थानीय पत्रकारों एवं समाजसेवियों द्वारा उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

इस दौरान मोहित शेखावत ने बताया कि उनके पिता का निधन कैंसर से हुआ था। इसी व्यक्तिगत दुःख ने उन्हें समाज को कैंसर के प्रति जागरूक करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि यदि समय पर जांच और सही इलाज मिले, तो कैंसर जैसी बीमारी पर भी विजय पाई जा सकती है। करीब ४८०० किलोमीटर की इस साइकिल यात्रा के माध्यम से मोहित देश के विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए आम नागरिकों को कैंसर के लक्षण, बचाव के उपाय, नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दे रहे हैं। विशेष रूप से वे युवाओं से नशे से दूर रहने और फिट जीवनशैली अपनाने की अपील कर रहे हैं। बोईसर- चित्रालय में प्रवेश के दौरान होटल सम्राट पर उपस्थित बोईसर- पालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला ,उपाध्यक्ष प्रवीण पाटिल, समाजसेवियों आनंद पाटिल दादासाहब खरात तथा सुरेश माली,बाबू भाई आदि ने मोहित शेखावत स्वागत किया और उनके साहस एवं संकल्प की सराहना करते हुए उनके अभियान को जनहित में महत्वपूर्ण बताया। स्थानीय पत्रकारों ने भी इस अभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का भरोसा दिलाया। मोहित शेखावत ने कहा कि यह यात्रा उनके लिए सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि उनके पिता को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उनकी इस पहल से समाज में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोग समय रहते जांच कराकर अपना जीवन सुरक्षित रख सकेंगे।

कई वर्षों से सामाजिक कार्यों को करते आ रहे रोहित सासाने निर्दलीय उम्मीदवार वार्ड ,२० आ से मिल रहा भारी जनसमर्थन !

वसई के सातीवली में निजी स्कूल में बच्ची को उठकबैठक करवाने वाले मामले का खुलासा और पीड़ित को न्याय दिलाने वाले व नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए आंदोलन करने वाले रोहित सासाने निर्दलीय उम्मीदवार वार्ड ,२० आ पुस्तक चुनाव चिन्ह पर उतरे हैं नगरसेवक के चुनाव मैदान में मिल रहा भारी जनसमर्थन

राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार पार्टी वसई विरार ज़िला सचिव रोहित रमेश ससाने पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता रहने पर भी पार्टी से नहीं मिला टिकट काम के बलबूते निर्दलीय उम्मीदवार बन कर उतरे चुनावी मैदान में

संवादाता :- सैफ खान

वसई । क्षेत्र की समस्याओं को लेकर वही काम करवा सकता है जो क्षेत्र का निवासी हो और क्षेत्र की समस्याओं को बखूबी जानता हो साथ में सभी विभागों में नागरिक सुविधाओं और समस्याओं के लिए पत्र व्यवहार कर काम करवाने का अनुभव रखता हो ऐसे ही उम्मीदवार नगरसेवक पद के लिए प्रबल दावेदार और हकदार होते हैं । ऐसा उम्मीदवार जो शिक्षित हो शहर और क्षेत्र की समस्या पर चिंता रखता हो लोगो के सुख दुख में खड़ा रहता हो जो पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने के लिए निस्वार्थ भाव से रात दिन एक करके काम करता हो ऐसे उम्मीदवार नगरसेवक बनते है जो शहर के हर क्षेत्र में हो तो शहर के विकास को गति देने से कोई नहीं रोक सकता । हम बात कर रहे हैं रोहित रमेश ससाने की जो शिक्षक वा इंजीनियर शिक्षित व्यक्ति हैं । रोहित

राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार पार्टी वसई विरार ज़िला सचिव के पद पर रहते हुए नागरिक मूलभूत सुविधाओं को लेकर कई बड़े आंदोलन कर चुके हैं । यह पार्टी के निष्ठ ावान कार्यकर्ता थे। पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर भी वह लोगों के बीच काम के बलबूते निर्दलीय उम्मीदवार बन कर उतरे चुनावी मैदान में जहां उन्हें क्षेत्र के आम नागरिकों का भरपूर समर्थन मिलता हुआ दिखाई दे रहा है । कुछ महीनों पहले वसई सातीवाली में एक निजी स्कूल में एक घटना घटी जिसमें एक लड़की को टीचर ने दंड देते हुए कई उठाबैठक करवाया जिस के बाद उस बच्ची की हालत खराब हो गई थी उस मामले में सब से पहले रोहित ससाने वँहा पहुंचे और पोलिस स्टेशन में मामला ले गए उस मामले में लगातार पत्र व्यवहार किया मामला विधानसभा में उठा जिसके उस स्कूल के कई लोगों पर मामला दर्ज हुआ उस मामले में रात दिन एक कर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने में लगे रहे । यही नहीं गटर नाले की समस्या हो या मच्छरों के बढ़ते प्रकोप पर दवा का छिड़काव नागरिक मूलभूत सुविधाओं का मुद्दा लगातार वह उठाते रहे हैं । क्षेत्र में बढ़ते अनाधिकृत बाँधकाम के विषय को भी लगातार उठाते रहे हैं । टीचर होने के कारण शिक्षा क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार का मुद्दा भी लगातार उठाते आए हैं । रोहित रमेश ससाने जो निर्दलीय उम्मीदवार वार्ड ,२० आ पुस्तक चुनाव चिन्ह से चुनाव लड़ रहे हैं उनके काम को देखते हुए कई सामाजिक कार्यकर्ता व संस्थाएं भी उन्हें समर्थन दे रही है । स्कूल कॉलेज के छात्र भी उनकी पद यात्रा में देखे जा सकते हैं। घर घर जा कर प्रचार में उन्हें बड़ा जनसमर्थन मिल रहा है जो उनके सामाजिक कामों को देखते हुए उनकी जीत को निश्चित करता हुआ लग रहा है ।

मकर संक्रांति पर सामाजिक दायित्व की मिसालः आशियाना क्षेत्र में बृज की रसोई ने जरूरतमंदों को निःशुल्क पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया

संविधान की भावना के अनुरूप सेवा कार्यः मकर संक्रांति पर आशियाना क्षेत्र में बृज की रसोई का व्यापक भोजन वितरणः साधना त्रिपाठी

लखनऊ। प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी असीम कृपा से इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) द्वारा संचालित सेवा प्रकल्प बृज की रसोई के अंतर्गत प्रत्येक रविवार की भांति, इस रविवार मकर सक्रांति पर्व के पावन उपलक्ष्य पर ११ जनवरी २०२६ को आशियाना क्षेत्र में अकिंचन, निराश्रित, असहाय एवं जरूरतमंद बच्चों तथा बुजुर्गों के लिए निःशुल्क पौष्टिक भोजन में तहेरी भोज, चटनी एवं मिष्ठान रूपी बूंदी का वितरण किया गया।

विकास पाण्डेय ने बताया कि कार्यक्रम अपराह्न २ बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया।

वहीं आशीष श्रीवास्तव ने कहा संस्था के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने अनुशासित एवं सुव्यवस्थित रूप से सेवा कार्य संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सहभागिता और मानवीय संवेदना का सकारात्मक संदेश देखने को मिला।

संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने मकर संक्रांति के पावन अवसर पर देश व प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बृज की रसोई केवल निःशुल्क भोजन वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के आत्मसम्मान, विश्वास और आशा को सशक्त करने की एक निरंतर मानवीय पहल है। उन्होंने इस सेवा यात्रा में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं, समर्पित स्वयंसेवकों एवं संवेदनशील नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आमजन से आह्वान किया कि सामूहिक सहभागिता के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे और सेवा की यह लौ सतत प्रज्वलित बनी रहे।

संजय श्रीवास्तव ने बताया आज का निःशुल्क भोजन वितरण साईं मंदिर, सेक्टर-जे, आशियाना से प्रारंभ होकर सेक्टर-एम रिक्शा कॉलोनी, रतन खंड पार्क, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पास स्थित झुग्गी-झोपड़ियाँ, निर्माणाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के अस्थायी आवास, नगर निगम जोन-८ की मलिन बस्तियाँ तथा रतन खंड पानी टंकी सहित अनेक क्षेत्रों में संपन्न हुआ। निधी श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि मकर संक्रांति के पावन पर्व पर रविवार को आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग १५०० जरूरतमंद, निराश्रित एवं अकिंचन बच्चों तथा बुजुर्गों को संविधान की समता और मानवीय गरिमा की भावना के अनुरूप निःशुल्क पौष्टिक भोजन में तहेरी भोज, चटनी एवं मिष्ठान रूपी बूंदी ससम्मान परोसी गई। अनुराग दुबे ने बताया आज के कार्यक्रम में संस्था के समर्पित पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक संजय श्रीवास्तव, विकास पाण्डेय, आशीष श्रीवास्तव, अनुराग दुबे, नवल सिंह, दिनेश पाण्डेय, मुकेश कनौजिया, उनयन श्रीवास्तव एवं साधना त्रिपाठी, निधि श्रीवास्तव, निशा श्रीवास्तव, अर्चना चौरसिया सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

स्ट्रेट लाईट वरील बंद असलेले तिरंगा लाईट प्रजासत्ताक दिना अगोदर चालू करण्यात यावे.

प्रतिनिधी, शेगांव.

शहरात माघील कित्तेक दिवसा पासून स्ट्रेट लाईट वरील तिरंगा लाईट बंद आहेत. मोठ्या थाटा माटात हे तिरंगा लाईट शहराची शोभा वाढवी व राष्ट्र भावना जागृत राहावी करीता स्ट्रेट लाईट वरती तिरंगा लाईट लावण्यात आले होते. परंतु काही दिवसा पासून हे तिरंगा लाईट बंद आहेत. असे दिसून येते शहरातील नागरिकांचे राष्ट्र भावना जागृत ठेवण्याचे काम हे तिरंगा लाईट सातत्याने करीत होते. परंतु नगर परिषदेने योग्य व्यवस्थापन न केल्याने मागील काही दिवसा पासून हे तिरंगा लाईट बंद आहेत. तर काही बंद चालू होत आहेत . या मुळे शहरात नागरिकांचे राष्ट्र भावना दुखावल्या जात असल्याचे प्रतिपादन स्वराज्य पक्षाचे नेते गोपाल तायडे यांनी केले आहे. भारत देश आपला ७७ वा प्रजासत्ताक दिन साजरा करणार असून शहराच्या सुशोभीकरणात व राष्ट्र भावना जागृत ठेवण्या करीता मोलाचे भर टाकणारे तिरंगा लाईट परत चालू करण्यात यावे व तिरंगा लाईट बंद न राहण्याचे योग्य व्यवस्थापन मेंटेनेस ठेवण्यात यावे. २६ जानेवारी प्रजासत्ता दिना अगोदर तिरंगा लाईट चालू न केल्यास आक्रमक आंदोलन करू असा इशारा त्याच्या कडून देण्यात आला आहे.

'सिलीगुड़ी में हमराही फाउंडेशन द्वारा मेगा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन।

संवाददाता । आरके मनोज

सिलीगुड़ी- मानवता की एक नई पहचान के संकल्प के साथ हमराही फाउंडेशन ने अपने चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर सिलीगुड़ी में मेगा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम सिलीगुड़ी तराई लायंस ब्लड बैंक के सहयोग से सम्पन्न हुआ, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय सहभागिता रही।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हमराही फाउंडेशन के कर्णधार श्री ललन महतो (प्रेसिडेंट) के नेतृत्व में श्री बिजेंद्र सिंह (सेक्रेटरी), श्रीमती मीरा महतो (ट्रेजरर), श्री बिमल महतो (ट्रस्टी), श्रीमती रीना महतो (ट्रस्टी), श्री गौरव सक्सेना (बोर्ड मेंबर), श्री अंकित महतो (बोर्ड मेंबर) सहित संस्था के सभी सदस्यों का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ४१ नंबर वार्ड की काउंसलर श्रीमती सेविका मित्तल तथा वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉक्टर रमेश साह भी उपस्थित थे। तथा सरकारी मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत उद्यम हैं हमराही फाउंडेशन। दिनांक १० जनवरी २०२६ को प्रातः १० बजे से सायं ४ बजे तक आयोजित इस शिविर में रक्तदान के साथ-साथ निःशुल्क नेत्र जांच एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन बीके सेंट्रियो, पायल सिनेमा के पास, सेवोक रोड, सिलीगुड़ी में किया गया। इस अवसर पर समाज सेवा में योगदान देने वाले व्यक्तियों को पुरस्कार वितरण समारोह के माध्यम से सम्मानित किया गया। साथ ही साथ रक्त देने वाले रक्त दान दाताओं को तथा कार्यक्रम में सभी मीडिया कर्मियों को संस्था का मोमेंटो देकर तथा खादा पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रायोजक 'ब्रॉडबैंडवाले' रहे, जिन्हें उत्तर बंगाल की सबसे विश्वसनीय इंटरनेट सेवा के रूप में जाना जाता है। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मालाड में सफाई कामगारों की बैठक हुई, जिसमें कॉमरेड मिलिंद रानाडे शामिल हुए और उन्होंने सभी से वार्ड ४८ से एडवोकेट शेख सईद को जिताने की अपील की।

क्रांतिकारी शिक्षक संगठन का सशक्त नेतृत्व शिक्षक नेता कादरी शाहेद का महाराष्ट्रव्यापी प्रभाव

महाराष्ट्र के शिक्षा क्षेत्र में वर्तमान समय में अनेक चुनौतियाँ सामने हैं। शिक्षकों के अधिकार, विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास तथा अभिभावकों की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाए रखना एक बड़ा विषय बन चुका है। ऐसे समय में क्रांतिकारी शिक्षक संगठन ने राज्यभर में अपने सशक्त, निर्भीक और प्रभावी कार्यों के माध्यम से एक अलग पहचान स्थापित की है। इस संगठन की सफलता के पीछे एक नाम विशेष रूप से उभरकर सामने आता है – संस्थापक सचिव कादरी शाहेद अब्दुल गफूर।

साधारण शिक्षक से राज्यस्तरीय नेतृत्व तक का प्रेरणादायी सफर

वर्ष २०२२ में कादरी शाहेद अब्दुल गफूर ने क्रांतिकारी शिक्षक संगठन की स्थापना की। एक साधारण शिक्षक के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने शिक्षा व्यवस्था की खामियों, शिक्षकों पर हो रहे अन्याय, विद्यार्थियों की गुणवत्ता पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव और अभिभावकों की समस्याओं को नजदीक से देखा और महसूस किया।

सिर्फ शिकायत करने के बजाय, व्यवस्था में बदलाव लाने का दृढ़ संकल्प उन्होंने किया और इसी संकल्प से एक नई, संघर्षशील, पारदर्शी और ईमानदार शिक्षक संगठन का जन्म हुआ।

शिक्षक हित, विद्यार्थी विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा – मुख्य उद्देश्य

कादरी शाहेद का नेतृत्व स्पष्ट विचारधारा और ठोस कार्यवाही पर आधारित है। उनके कार्य के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं –

शिक्षकों को न्याय और सम्मान दिलाना

विद्यार्थियों का शैक्षणिक व नैतिक विकास सुनिश्चित करना

शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक और दीर्घकालिक सुधार लाना

इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संगठन द्वारा शैक्षणिक मार्गदर्शन शिविर, शिक्षक समस्याओं को लेकर आंदोलन, विद्यार्थी परामर्श कार्यक्रम तथा सामाजिक-शैक्षणिक जनजागृति अभियान बड़े पैमाने पर आयोजित किए जा रहे हैं।

समाजहित को प्राथमिकता देने वाला नेतृत्व

कादरी शाहेद का कार्य केवल शिक्षक संगठन तक सीमित नहीं है। वे जरूरतमंद विद्यार्थियों, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों, शिक्षकों और आम नागरिकों की सहायता के लिए भी हमेशा आगे रहते हैं। निःस्वार्थ सेवा, सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी उनके नेतृत्व की प्रमुख विशेषताएँ हैं।

बीड से पूरे महाराष्ट्र तक संगठन का विस्तार

अल्प समय में बीड जिले से शुरू हुआ क्रांतिकारी शिक्षक संगठन आज नागपुर, पुणे, अमरावती, जालना, बीड, औरंगाबाद, उस्मानाबाद, नांदेड, हिंगोली, लातूर, अहमदनगर और मुंबई सहित कई जिलों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। यह विस्तार कादरी शाहेद अब्दुल गफूर के ईमानदार, लक्ष्यनिष्ठ और प्रभावी नेतृत्व का स्पष्ट प्रमाण है।

भरोसेमंद नेतृत्व, उज्ज्वल भविष्य

निःस्वार्थ सेवा, निर्भीक भूमिका और कुशल नेतृत्व के कारण कादरी शाहेद अब्दुल गफूर आज न केवल शिक्षक वर्ग में बल्कि समाज में भी एक विश्वसनीय, संघर्षशील और परिवर्तनकारी नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। उनके मार्गदर्शन में क्रांतिकारी शिक्षक संगठन आने वाले समय में शिक्षा क्षेत्र में वास्तविक और सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

जिंतूर स्काऊट गाईड पथक की पोलीस स्टेशन को भेट

स्काऊट गाईड पथक ने ईट भट्टी कारखाने का लिया प्रत्यक्ष अनुभव और छात्रावो को ज्ञानवर्धन

जिंतूर (एम एजाज जिंतूरकर)८ जनवरी २०२६ को जिल्हा परिषद उच्च प्राथमिक शाळा पांगरी ता जिंतूर के राजमाता जिजाऊ गाईड पथक वीर भगतसिंग स्काऊट गाईड पथक और राणी लक्ष्मीबाई बुलबुल पथक संयुक्त ने जिंतूर पोलीस स्टेशन को शैक्षणिक भेट की और शहरं के परिसर में इटभट्टी कारखाने को भी भेट देकर प्रत्येक ईट निर्मिती कैसे किजाती हैं! इस की पुरी जाणकारी हासील की पोलीस स्टेशन में पोलीस निरीक्षक गजेंद्र सरोदे ने छात्रावो को और शिक्षको का दिलं की गहेराईयो से स्वागत किया! छात्रावो ने तयार की गई प्रश्नावली के माध्यम से पोलीस प्रशासन की कार्यपद्धती, संपर्क यंत्रणा, बंदी गृह व्यवस्था, और मोर्चे और दंगलसदृश परिस्थिती मे उपाययोजना विषयी सविस्तर जाणकारी प्राप्त की पोलीस स्टेशन में विविध शस्त्रो की पहेचान करा कर दी गई ! प्रत्येक अनुभव से छात्रा वो में उत्सुकता और आत्मविश्वास बडाती दिखाई दी! पोलीस स्टेशन का जो छात्रा वो के दिलो डर था! वो दुर हो गया है! और उनके चहरो पर मुस्कान दिखाई दी! इस के बाद स्काऊट गाईड पथक ने ईट भट्टी कारखाने का रुख किया! और उसकी जाणकारी हासील की मिट्टी की जाणकारी ईट बनाने के सांचे सांचे से बने कच्चे इट और उसे सुखाने का तरीखा और फिर भट्टी में उसे भुणने का तरीखा ये पुरी इट बनाने की जाणकारी हासील की मेहनत का महत्व समझा उद्योग की कार्यपद्धती उत्पादन के पिछे मेहनत की जाणकारी आदी हासील की हैं! कार्यक्रम के आखीर में सभी स्काऊट गाईड, बुलबुल के छात्रा वो ने पोलीस निरीक्षक का आभार माना स्कूल की जेष्ठ शिक्षिका श्रीमती सविता बळी, और स्काऊट गाईड की कॅप्टन श्रीमती विद्या कावटवार उपस्थित थे! गटशिक्षणाधिकारी त्र्यंबक पोले, केंद्र प्रमुख देवानंद सावंत, मुख्याध्यापक रविंद्र बोकन का मार्गदर्शन और पालको का सहकार्य से ये शैक्षणिक सहल छात्रा वो के लिये! प्रेरणादायी रही ऐसे वक्तव्य सभी ने सरहाना की हैं!

वर्ष 2020 में मलेरिया के लगभग 24.1 करोड़ नये मामले सामने आये

85 देशों में करीब छह लाख 27 हजार लोगों की मौत मलेरिया से हुईं

सोर्स : डब्ल्यूएचओ

मच्छर को छोटा जीव समझकर न बरतें लापरवाही

डॉ हिमालय कुमार झा, एमडी, मेडिसिन, सीएमओ, सीजीएचएस, रांची, झारखंड

मलेरिया बुखार मच्छरों से होने वाला एक तरह का संक्रामक रोग है, जो फीमेल एनोफिलीज मच्छर के काटने से होता है. इस मादा मच्छर में एक खास प्रकार का पैरासाइट पाया जाता है, जिसे 'प्लाज्मोडियम' कहते हैं. इस मच्छर के काटते ही व्यक्ति के शरीर में प्लाज्मोडियम प्रवेश कर जाता है. यह रोगी के शरीर में पहुंचकर कई गुना वृद्धि करके लिवर और रक्त कोशिकाओं को संक्रमित करके व्यक्ति को बीमार बना देता है. समय पर इलाज न होने की स्थिति में यह बीमारी जानलेवा भी हो सकती है. मलेरिया का संक्रमण होने और बीमारी फैलने में रोगाणु की किस्म के आधार पर 7 से 40 दिन तक लग सकते हैं. इसके शुरुआती दौर में सर्दी-जुकाम या पेट की गड़बड़ी जैसे लक्षण दिखायी पड़ते हैं. इसके कुछ समय बाद सिर, शरीर और जोड़ों में दर्द, ठंड लग कर बुखार आना, नब्ज तेज हो जाना, उबकाई, उल्टी या पतले दस्त होना शुरू हो जाता है, पर जब बुखार अचानक से बढ़ कर 3-4 घंटे रहता है और अचानक उतर जाता है इसे मलेरिया की सबसे खतरनाक स्थिति माना जाता है. अपने आप-पास सफाई रखकर इस बीमारी से बचाव किया जा सकता है.

ये हैं जांच के तरीके

मलेरिया बुखार के लक्षणों की पहचान होने पर डॉक्टर माइक्रोस्कोपिक ब्लड टेस्ट के जरिये बीमारी का पता लगाते हैं. इसमें रोगी के ब्लड में प्लाज्मोडियम परजीवी की किस्म का पता लगाने के लिए पैरीफेरल स्मीयर स्लाइड टेस्ट किया जाता है. रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट(आरटीडी) भी कराया जाता है, ताकि रोगी के ब्लड में प्लाज्मोडियम परजीवी की स्थिति या मात्रा का पता चल सके. शरीर में मलेरिया परजीवी द्वारा बनाये गये एंटीजन की जांच के लिए इम्यून-लॉजिकल ऑप्टिमल टेस्ट किया जाता है. साथ ही कार्ड टेस्ट, पॉली मेरास चैन रिएक्शन टेस्ट, कंप्लीट ब्लड काउंट टेस्ट आदि भी कराये जाते हैं. अगर रोगी के ब्लड प्लेटलेट्स डेढ़ लाख से कम हो, तो यह मलेरिया के लक्षण हैं, इसलिए इसका तत्काल इलाज शुरू कर देना चाहिए.

बीमारी को इन लक्षणों से पहचानें

- बुखार और ठंड लगना
- बुखार, सिरदर्द और उल्टी
- फीवर कम होने पर तेज पसीना और थकान महसूस होना
- डायरिया
- बेहोशी व सांस लेने में तकलीफ (ब्रेन मलेरिया)
- गहरी सांस लेने में परेशानी
- असामान्य रक्तस्राव और एनीमिया

ये हैं उपचार के तरीके

रोगी की स्थिति के आधार पर एंटी मलेरियल मेडिसिन जैसे- क्लोरोक्विन टेबलेट, प्राइमक्विन, डोक्सइलीलाइन, मेफ्लोक्विन आदि. इसके बाद भी स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो मरीज को आरटीसुनेट व क्विनिन की टेबलेट दी जाती है.

गर्भवती महिलाओं को जोखिम अधिक

गर्भवती महिलाओं को मलेरिया का ज्यादा खतरा है .गर्भावस्था के दौरान मलेरिया के संक्रमण से गर्भपात, समय से पहले प्रसव, जन्म के समय कम वजन, जन्मजात संक्रमण या प्रसव पूर्व मृत्यु हो सकती है . साथ ही एनीमिया, पीलिया, लो ब्लड शुगर, हाइपोग्लाइसीमिया, लो ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन, किडनी फेल्योर, लिवर फेल्योर आदि भी हो सकता है .

बीमारी फैलाने वाले मच्छरों से ऐसे बचें

- जमा हुआ पानी इन मच्छरों के पनपने के लिए सबसे अच्छी जगह है . मलेरिया से बचने के लिए टूटे गमले, टायर, कूलर आदि में पानी जमा होने न दें .
- तुलसी के पौधे को कमरे की खिड़की या दरवाजे के पास रखने से मच्छर दूर भाग जाते हैं . तुलसी का पौधा भी मच्छरों को घर में प्रवेश करने से रोकता है .
- लैवेंडर तेल को साइट्रोनला और नीलगिरी के तेलों के साथ मिलाकर स्प्रे के रूप में इस्तेमाल करें . आप इसके लिक्विड को रिफिल में डाल कर यूज कर सकते है .
- औषधीय पौधे में से एक, 'नीम' मच्छरों के प्रकोप को कम करने में बेहद मददगार है .
- पाचन और गैस को रोकने के अलावा, मच्छरों से लड़ने के लिए अजवाइन या कैरम के बीज का इस्तेमाल करें .
- सरसों के तेल में मुट्ठीभर अजवाइन के बीज मिलाएं . अजवाइन और सरसों की तेज सुगंध मच्छरों को दूर रखने में मदद करेगी .
- लहसुन की गंध मच्छर सहन करने में सक्षम नहीं हैं . लहसुन में लार्वाइसाइड गुण होते हैं, जिन्हें मच्छरों को दूर रखने के लिए रखा जा सकता है . लहसुन की कुछ कलियां क्रश करें और इसे थोड़ी देर तक पानी में उबालें . इसे अपने घर के चारों ओर छिड़क दें .
- गेंदे के फूल के पौधे को अपने घर में लगाएं . गेंदे के फूलों की खुशबू से आपका घर सुगंध से भरा रहेगा और मच्छर भी नहीं आयेंगे .
- मच्छरों से बचने के लिए कपूर की एक टिकिया को जलाकर कमरे के कोने में रख दें . मच्छरों के जानलेवा अटैक से बचने में यह उपाय काफी कारगर है .
- मच्छरदानी में सोये और घर की दीवारों पर इंसेक्टिसाइड डालें .
- मच्छर आने के समय, यानी शाम 6 बजे से सुबह 9 बजे तक के बीच पूरे आस्तीन के ढके हुए हल्के रंग के कपड़े पहनें .

बातचीत व आलेख : देवेंद्र कुमार

मेंटल हेल्थ

हर दिन की इन गलतियों की वजह से बढ़ सकता है हाइ ब्लड प्रेशर

आजकल भाग-दौड़ भरी जिंदगी व खान-पान की गलत आदतों की वजह से लोगों में हाइ ब्लड प्रेशर की समस्या आम हो गयी है. बीपी के कारण एक नहीं, बल्कि कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं, जैसे- हार्ट अटैक या स्ट्रोक, हार्ट फेलियर, किडनी रोग, डिमेंशिया, याददाश्त कमजोर होना. ऐसे में आपका बीपी हाइ हो जाये और उसके बाद दवाइयां लेनी पड़े, उससे बेहतर है कि आप पहले ही सतर्क हो जाएं. जानें उन गलत आदतों के बारे में, जिससे जाने-अनजाने आप इसके मरीज बन रहे हैं.

1 बेवजह तनाव लेना

आज हर किसी को किसी-किसी तरह का तनाव है . छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी परीक्षा में बेहतर अंक लाने की वजह से तनाव में आ जाते हैं . किसी को ऑफिस के काम का स्ट्रेस है, तो किसी को घर संभालने का . तनाव की वजह से शरीर में ब्लड प्रेशर को बढ़ाने वाले हॉर्मोन्स रिलीज होने लगते हैं, जिससे ब्लड वेसल्स पर प्रेशर पड़ने से आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है .

2 मोटापा या बढ़ा हुआ वजन

जो लोग मोटापे का शिकार हैं, उनके शरीर में फैटी टीशूज अधिक होता है . इससे ब्लड वेसल्स संकुचित होने लगते हैं और उनका वस्कुलर रेजिस्टेंज भी बढ़ने लगता है, जिस वजह से हार्ट को दिनभर में ज्यादा खून पंप करना पड़ता है और हार्ट का काम अगर बढ़ जाता है, तो यह ब्लड प्रेशर बढ़ने की सबसे बड़ी निशानी है .

3 ज्यादा नमक का सेवन करना

काफी लोग खाने में अधिक नमक खाना पसंद करते हैं . उन्हें हर चीज में नमक कम लगता है और वो ऊपर से नमक डालकर खाना खाते हैं . अगर आपकी आदत भी ऐसी है, तो आज ही इसे बदल दें . ज्यादा नमक खाने से शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है . इससे किडनी में वॉटर रिटेंशन होने लगता है और आपके खून में ढेर सारे फ्लूइड्स बहने लगते हैं, जिससे ब्लड वेसल्स में प्रेशर बढ़ता है और बीपी हाइ हो जाता है .

4 धूम्रपान और नशापान

यह जरूरी नहीं कि आप चेन स्मोकर ही हों, लेकिन अगर आप कभी-कभार भी सिगरेट पीते हैं, तब भी आपको हाइ ब्लड प्रेशर होने का रिस्क काफी बढ़ जाता है . सिगरेट में मौजूद निकोटिन ब्लड वेसल्स को स्थायी रूप से संकुचित कर देते हैं, जिससे बीपी हाइ हो जाता है . ज्यादा शराब का सेवन करने से भी हाइ बीपी का खतरा रहता है . हर दिन 1 या 2 ड्रिंक से ज्यादा पीना आपको बीपी का मरीज बना सकता है .

5 कोई एक्सरसाइज नहीं करना

अगर आप दिनभर एक ही जगह पर बैठे रहते हैं और किसी तरह का कोई व्यायाम नहीं करते, शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा नहीं लेते हैं, तो इससे भी आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता . दरअसल, हाइ बीपी और एक्सरसाइज दोनों आपस में जुड़े हैं . अगर आपको पहले से हाइ बीपी है, तो एक्सरसाइज के जरिये आप इसे नियंत्रित कर सकते हैं .

चुनावी हलचल

वार्ड ६७ बीजेपी प्रत्याशी दीपक कोटेकर प्रचार रैली करते हुए

वार्ड ६५ के कांग्रेस प्रत्याशी सूफियान हैदर के समर्थन में सभा को संबोधित करती हुई मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़

वार्ड क्रमांक ७१ की भाजपा प्रत्याशी सुनीता मेहता के समर्थन में प्रचार करते मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम

वार्ड क्रमांक ५९ के आजाद उम्मीदवार अल्ताफ पेवेकर की जनसभा का एक दृश्य

वार्ड क्रमांक ६४ की कांग्रेस प्रत्याशी हुदा कुरैशी जनसंपर्क करते हुए

वार्ड ६८ के महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रत्याशी संदेश देसाई जनसंपर्क करते हुए

वार्ड क्रमांक १६२ के कांग्रेस प्रत्याशी आमिर नसीम खान के पक्ष में प्रचार करते हुए कांग्रेस के दिग्गज नेता आरिफ नसीम खान

पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विधायकमीन पटेल

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक : शकील एच. पटनी, संपादकीय कार्यालयः २०, मधु कंपाउंड, सोनावाला क्रॉस रोड नं. २, गोरेगांव (ई), मुंबई Mob: 98206224
RNI. No.: MAHHIN/2007/229, Email-mumbaikaswabhiman999@gmail.com.संपादकः SHAQILPATNI